रणजीत टाइम्स

इंदौर

शनिवार, 14 फरवरी, 2026

वर्ष-02। अंक-43। कुल पृष्ठ-8

Digital

RNI-NO. MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक-गोपाल गावंडे

सामूहिक विवाह सबसे उत्तम, खर्चीली शादियों से बचें-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

बेटे-बेटियों को स्व-रोजगार से जोड़ने में मदद करेगी सरकार

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बेटे-बेटियों का विवाह करने के लिए सामूहिक विवाह सबसे उत्तम माध्यम है। समाज में ख़र्चीले विवाहों का प्रचलन चिंतनीय है। मितव्ययिता जरूरी है। हमारा समाज परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। बदलते वक्त के साथ हमें अपनी सोच भी बदलने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उन्होंने स्वयं अपने पुत्र का विवाह उज्जैन में एक सामूहिक विवाह सम्मेलन में किया हैं। शादियों में अनावश्यक खर्च से हमें बचना ही चाहिए। सामूहिक विवाहों से हुई बचत परिवार के लिए अन्य सुविधा जुटाने के लिए उपयोगी हो सकती है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि विवाह और मृत्यु भोज जैसे कार्यक्रमों में फिजूलखर्ची और दिखावे को बंद करने की आवश्यकता है। बागेश्वर धाम में हो रहे सामूहिक विवाह एक यज्ञ के समान हैं। अच्छाइयां ही हमेशा याद रहती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय संस्कृति की भावना को मजबूत करने के लिए छतरपुर को

कैंसर अस्पताल की सौगात दी है। हमारे देवस्थान चमत्कारिक होते हैं। मंदिर के आसपास अस्पताल भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को बागेश्वर धाम सरकार में आयोजित सामूहिक कन्या विवाह सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज जितने भी बेटे-बेटियों का विवाह हुआ है, इन्हें किसी भी रोजगार या काम-धंधे की आवश्यकता है, तो सरकार सभी को हर जरूरी सहायता उपलब्ध करायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे जीवनकाल के 16 संस्कारों में विवाह सबसे बड़ा संस्कार है। यह धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की राह दिखाता है। उन्होंने सामूहिक विवाह सम्मेलन में शामिल हुए 300 नव दंपतियों को शुभकामनाएं दी। भारतीय सनातन संस्कृति को आघात पहुंचाने के लिए दुनियाभर के आक्रांताओं ने भारत भूमि पर आक्रमण किए। गुजरात के देवधाम सोमनाथ मंदिर पर भी आक्रमण किया, लेकिन पिछले 75 साल से सोमनाथ मंदिर की भव्यता दिनों-दिन बढ़ती ही जा रही है। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में भी श्रीरामलला भव्य मंदिर में विराजे हैं। उन्होंने कहा कि बागेश्वर धाम ने सनातन संस्कृति को नई दिशा दी है। राज्य सरकार बेटियों के विवाह के लिए मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना के जरिए 51 हजार रुपए की राशि प्रदान कर रही है। सनातन संस्कृति में हर साल तीन ऐसी तिथियां हैं, जब बगैर मुहूर्त के विवाह किए जा सकते हैं। देवउठनी एकादशी, बसंत पंचमी और अक्षय तृतीया। इन तीनों तिथियों पर पर कन्याओं के सामूहिक विवाह आयोजित किए जाएं। सामूहिक विवाह से शादियों में होने वाले बेहिसाब खर्चों में कमी आ रही है। समाज में हो रहे सकारात्मक बदलावों को सभी को अपनाना चाहिए।

'एक युद्ध नशे के विरुद्ध ' अभियान के तहत आबकारी इन्दौर की बड़ी कार्यवाही

इंदौर/आदित्य शर्मा

कलेक्टर महोदय जिला-इन्दौर, श्रीमान् शिवम वर्मा जी के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी जी के द्वारा दिये निर्देशानुसार तथा कंट्रोलर महोदय देवेश चतुर्वेदी एवं डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल तथा सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री जय सिंह ठाकुर के नेतृत्व मे एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के अंतर्गत 13.02.2026 को वृत्त - सांवेर प्रभारी त्रिअंबिका शर्मा की टीम एवं व्रत पलासिया टीम प्रभारी प्रियंका रानी चौरसिया टीम के साथ संयुक्त रूप से अवैध मदिरा संग्रहण एवं परिवहन के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई ।

आज की कार्यवाही में ग्राम धरमपुरी,कामलियाखेड़ा,नागपुर,हिंडोलिया में कार्यवाही की गई जिसमे कुल 05 प्रकरण कायम किए एवं 42 लीटर हाथभट्टी मदिरा एवं 450kg गुड़ महुआ लहन मौके पे नष्ट कर धारा 34(1) a,f. के तहत प्रकरण कायम किया वृत्त सांवेर में कार्यवाही के दौरान मुखबिर द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पे एक दोपहिया वाहन हीरो होंडा स्प्लेंडर बाइक क्रमांक MP09 lb 3804 से अवैध मदिरा परिवहन कर ले जाई जा रही सफेद कट्टी से ढकी 100पाव देशीमदिरा प्लेन बरामद की गई(18 बल्क लीटर देसी मदिरा)। बरामद मदिरा को वाहन सहित जप्त कर आरोपी संदीप पिता कैलाश परमार उम्र 23वर्ष, निवासी कमल्याखेड़ा के विरुद्ध प्रकरण कायम किया एवं अन्य आरोपीगण प्रेमबाई,कमल जाटव नि-नागपुर,सांवेर के विरुद्ध आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)क एवं फ के तहत प्रकरण कायम किये ।कुल जप्ती का अनुमानित मूल्य 125900/- रहा ।

आज की कार्यवाही में आबकारी आरक्षक संजय सिंगार, अंकित लोधवाल,अजय चंद्रवाल, तरुण सिंह जाट, का सराहनीय योगदान रहा।

देपालपुर क्षेत्र में अवैध उत्खनन पर खनिज विभाग द्वारा की गई प्रभावी कार्रवाई

तीन जेसीबी मशीन और एक डंपर को किया जप्त

इन्दौर. कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में इंदौर जिले में अवैध उत्खनन के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

इसी सिलसिले में खनिज विभाग द्वारा कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को ग्राम बोरिया तहसील देपालपुर की निजी भूमि पर खनिज मिट्टी के अवैध उत्खनन पर कार्यवाही की गई। खनिज विभाग की इस कार्यवाही में अवैध उत्खनन करते हुए तीन जेसीबी मशीन व एक डंपर जप्त किए गये।

जांच कार्यवाही के दौरान पूछताछ करने पर उक्त मशीनें अलग-अलग व्यक्तियों के नाम पर बताई गई। इसमें एक जेसीबी मशीन क्रमांक MP 09GF7426 मालिक गोकुल चौधरी निवासी कलारिया के नाम पर बताई गई और दूसरी जेसीबी बिना नंबर लिखी गोकुल दरबार निवासी अहिरखेड़ी इंदौर का होना बताया गया। एक डंपर क्रमांक MP09DW7126 व तीसरी जेसीबी मशीन क्रमांक MP09KD 8884 मालिक रमेश प्रजापति निवासी महेश नगर इंदौर का होना बताया गया। उक्त सभी मशीनों के द्वारा खनिज मिट्टी का उत्खनन बिना वैधानिक अनुमति के किया जाना पाया गया।

अवैध उत्खनन में संलिप्त पायी गईं सभी चारों मशीनों एवं डम्पर वाहन को आगामी आदेश तक पुलिस थाना गांधीनगर की अभिरक्षा में खड़ा कराया गया। प्रकरण में मध्य प्रदेश (अवैध खनन , परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के अंतर्गत अवैध खनन का प्रकरण दर्ज कर कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जायेगा। कार्यवाही श्री आलोक अग्रवाल सहायक खनि अधिकारी इंदौर द्वारा अपने अमले के साथ की गई।

कलेक्टर न्यायालय में प्रकरण की सुनवाई हेतु 19 फरवरी की तिथि निर्धारित

इन्दौर. कलेक्टर न्यायालय इंदौर में आवेदक मध्यप्रदेश शासनतर्फे तहसीलदार सांवेरजिला इंदौर विरुद्ध अनावेदक हरिजन समाज सुधार सहकारी संस्था मर्यादित समिति ग्राम धतुरियासांवेर एवं अन्य दो के मध्य प्रचलित प्रकरण में आगामी सुनवाई की तिथि 19 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है।

निर्धारित तिथि पर अनावेदक पक्ष हरिजन समाज सुधार सहकारी संस्था मर्यादित समिति ग्राम धतुरिया सांवेर जिला इंदौर के अध्यक्ष को न्यायालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के निर्देश जारी किए गए हैं। न्यायालय द्वारा स्पष्ट किया गया है कि यदि निर्धारित तिथि पर अनावेदक उपस्थित नहीं होते हैं, तो प्रकरण की सुनवाई एवं निराकरण एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 14 फरवरी को खण्डवा और बुरहानपुर जिले के प्रवास पर रहेंगे

बुरहानपुर जिले को 696 करोड़ 37 लाख रूपये के विकास कार्यों की देंगे सौगातें

खण्डवा जिले में 600 करोड़ रूपये से अधिक के विकास कार्यों का होगा लोकार्पण व भूमिपूजन

लाड़ली बहनों के खाते में सिंगल क्लिक से करेंगे राशि अंतरित

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 14 फरवरी को इंदौर संभाग के खण्डवा और बुरहानपुर जिले के प्रवास पर रहेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुरहानपुर जिले को 696 करोड़ 37 लाख रूपये के विकास कार्यों की देंगे सौगातें देंगे। वहीं खण्डवा जिले में 600 करोड़ रूपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन करेंगे। कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

बुरहानपुर में मुख्य कार्यक्रम नेहरू स्टेडियम में आयोजित होगा। इस अवसर पर 334 करोड़ 22 लाख रूपये की लागत के 32 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं 362 करोड़ 15 लाख रूपये की लागत के 48 कार्यों का भूमिपूजन किया जा जायेगा। प्रस्तावित कार्यक्रम अनुसार जिले में आगमन के पश्चात् मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रोड शो में शामिल होंगे। यह रोड शो शिकारपुरा थाना क्षेत्र के जीजामाता चौराहा से नेहरू स्टेडियम बुरहानपुर तक आयोजित रहेगा। नेहरू स्टेडियम बुरहानपुर में आयोजित भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किया जायेगा। वहीं कृषि, उद्यानिकी सहित अन्य विभागों द्वारा विकास प्रदर्शनी लगाई जायेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव खण्डवा जिले के पंधाना में आयोजित कार्यक्रम में लगभग 255 करोड़ रूपए लागत के 2 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लगभग 354 करोड़ रूपए लागत के 11 निर्माण कार्यों का लोकार्पण करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव 252 करोड़ रूपए लागत से निर्मित होने वाली खण्डवा नगर निगम की सीवरेज परियोजना का भूमिपूजन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस अवसर पर 2.90 करोड़ रूपए लागत से निर्मित होने वाले पंधाना बस स्टैण्ड, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स एवं रैन बसेरा के निर्माण कार्य का भूमिपूजन करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव पंधाना में आयोजित कार्यक्रम में 301.41 करोड़ रूपए लागत से निर्मित भाम सिंचाई परियोजना का लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही 37 करोड़ रूपए लागत से निर्मित सांदीपनि विद्यालय पंधाना का लोकार्पण भी करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव 11.06 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित होने वाले संयुक्त एसडीएम कार्यालय भवन पंधाना का लोकार्पण करेंगे। इसके अलावा कार्यक्रम में 65-65 लाख रूपए लागत से निर्मित छैगांवदेवी एवं हरसवाड़ा के कुल 2 आयुष्मान आरोग्य केन्द्रों के भवनों का लोकार्पण भी किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव बलखड़घाटी में 49 लाख रूपए लागत से निर्मित आयुष्मान आरोग्य केन्द के भवन का लोकार्पण भी करेंगे। इस अवसर पर 52-52 लाख रूपए लागत से छैगांवमाखन, रेहमापुर एवं हरसवाड़ा में निर्मित सहकारिता विभाग के गोडाउन के नए भवनों का लोकार्पण भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 50-50 लाख रूपए लागत से ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट भवन तथा प्रयोगशाला भवन का भी लोकार्पण करेंगे।

लाड़ली बहना योजना अंतर्गत करेंगे राशि अंतरित

पंधाना में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लाड़ली बहना योजना की हितग्राहियों के खाते में सिंगल क्लिक के माध्यम से माह फरवरी 2026 की राशि ट्रांसफर करेंगे। प्रदेश की लगभग 1.25 करोड़ बहनों के खातों में 1800 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जायेगी।

दहेज मुक्त विवाह से समाज को मिला नया संदेश

इंदौर। ग्राम श्री राम तलावली में सामाजिक जागरूकता और सकारात्मक बदलाव की एक प्रेरणादायक मिसाल देखने को मिली। जहाँ श्री जगदीशचन्द्र चौहान (मुनीमजी) के सुपुत्र श्री चन्दनसिंह चौहान एवं कुंवर गौरवसिंह चौहान का विवाह पूर्णतः दहेज मुक्त संपन्न हुआ।

इस अवसर पर दोनों परिवारों ने समाज को यह संदेश दिया कि विवाह एक पवित्र संस्कार है, न कि लेन-देन का माध्यम। दहेज प्रथा जैसी कुरीतियाँ आज भी समाज में जड़ें जमाए हुए हैं, लेकिन ऐसे साहसिक कदम नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा बनते हैं।

ग्रामवासियों और उपस्थित समाजजनों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे एक अनुकरणीय उदाहरण बताया। कार्यक्रम में बिना किसी दिखावे और लेन-देन के सादगीपूर्ण वातावरण में वैवाहिक संस्कार संपन्न हुए।

समाज के प्रबुद्ध नागरिकों ने कहा कि यदि प्रत्येक परिवार इसी प्रकार दहेज मुक्त विवाह को अपनाए, तो बेटियों को बोझ समझने की मानसिकता समाप्त होगी और समाज में समानता एवं सम्मान की भावना मजबूत होगी।

यह दहेज मुक्त विवाह न केवल दो परिवारों का मिलन था, बल्कि सामाजिक सुधार की दिशा में एक सशक्त संदेश भी था।

जनजातीय प्रकोष्ठ की विषय विशेषज्ञ डॉ. दीपमाला रावत द्वारा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की प्रगति की समीक्षा

इंदौर जेल का निरीक्षण कर बंदियों से की चर्चा

इंदौर। जनजातीय प्रकोष्ठ लोक भवन भोपाल की विषय विशेषज्ञ डॉ. दीपमाला रावत द्वारा आज धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (DAJGUA) के अंतर्गत समस्त विभागों की प्रगति पर रेसीडेन्सी कोठी, इन्दौर में समीक्षा बैठक ली गई।

बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाकर योजनांतर्गत आगामी कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देश प्रदान किये गये। बैठक में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को 56 ग्रामों के हितग्राहियों के आधार संशोधन में आ रही कठिनाईओं को प्राथमिकता के आधार पर निदान करने हेतु निर्देश दिए गये।

डॉ. दीपमाला रावत द्वारा समस्त विभागों को समन्वय कर जिले के 56 ग्रामों के ऐसेट को जी.आई.एस. मैपिंग करवाये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अलावा जिले के सम्मिलित समस्त ग्रामों में निवासरत व्यक्तियों के स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों जैसे-गर्भवती महिलाओं का सिकलसेल परीक्षण, गर्भ में पल रहे शिशु की जांच प्राथमिकता के साथ करवाने, सिकल मित्र तैयार करने एवं शिविर आयोजित किये जाने तथा अन्यत्र चिकित्सक की सुविधा प्रदान करवाये जाने एवं 70 वर्ष से अधिक आयु के हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाने, सिकल कार्ड वितरण, दिव्यांगता प्रमाण पत्र वितरण हेतु आयुष एवं स्वास्थ्य विभाग को निर्देश प्रदान किये गये।

बैठक में इंदौर के 56 ग्रामों में बैंक द्वारा सहकारिता कार्प लोन प्रदान कर हितग्राहियों को पशुपालन, बकरी पालन, मुर्गी पालन, आदि कार्यों के लिये स्वरोजगार उपलब्ध कराने हेतु निर्देश दिये गये। मत्स्य पालन विभाग को 56 ग्रामों के हितग्राहियों को स्व-सहायता समूह से जोडकर मछली पालन कार्य हेतु समूह में पट्टा दिये जाने एवं तालाबों की लिस्टिंग की जाने हेतु निर्देशित किया गया। ग्रामों में पर्यटन विकास हेतु पर्यटक स्थल का चिन्हांकन कर पर्यटको को होम स्टे सुविधा प्रदान किये जाने हेतु होम स्टे का कान्सेप्ट तैयार कर वन समिति के माध्यम से पर्यटन विभाग को प्रस्तुत किये जाने हेतु निर्देश प्रदान किये गये। योजनांतर्गत सम्मिलित समस्त 56 ग्रामों के विभागों से आवश्यक समन्वय कर हितग्राहियों को लाभांवित किये जाने हेतु जनजातीय कार्य विभाग, इन्दौर को आवश्यक कार्यवाही किये जाने के निर्देश प्रदान किये गये।

बैठक के पश्चात विषय विशेषज्ञ डॉ. दीपमाला रावत ने इन्दौर की जेल का निरीक्षण किया और बंदियों से चर्चा की। उनकी समस्याएँ सुनी तथा बंदियों द्वारा किये गये कार्यों फर्नीचर, दरी, कंबल आदि निर्माण कार्य गतिविधियों का अवलोकन किया गया।

10 दिवसीय बेकरी एंड कन्फेक्शनरी एवं आइसक्रीम मेकिंग सर्टिफिकेट कोर्स का सफल आयोजन

इन्दौर. शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय इंदौर के गृह विज्ञान विभाग एवं आईक्यूएसी के तत्वावधान में 02 फरवरी से 13 फरवरी 2026 तक 10 दिवसीय बेकरी एंड कन्फेक्शनरी एवं आइसक्रीम मेकिंग सर्टिफिकेट कोर्स का सफल आयोजन किया गया।

कोर्स में स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रशिक्षक श्रीमती अमृता शाह एवं विभाग के प्राध्यापकों द्वारा छात्राओं को आइसक्रीम, चॉकलेट, बिस्किट, सिम्पल एवं आइसिंग केक, पैकेजिंग एवं प्राइसिंग का सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। यह प्रशिक्षण छात्राओं के कौशल विकास एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल रहा।

जनगणना से ही समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की रणनीति होती है तय : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जनगणना प्रशासनिक प्रक्रिया के साथ-साथ भविष्य की दिशा तय करने का है अभियान

इन्दौर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनगणना देश की सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण डाटा प्रक्रिया है। जनगणना के आधार पर सरकार की योजनाएं बनती हैं, संसाधनों का वितरण तय होता है और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की रणनीति तैयार होती है।

आज भारत विश्व का सर्वाधिक आबादी वाला राष्ट्र है। यह जनगणना केवल राष्ट्रीय नहीं बल्कि वैश्विक महत्व की भी है। जनगणना का कार्य केवल प्रशासनिक प्रक्रिया तक सीमित नहीं है बल्कि यह भारत के भविष्य की दिशा तय करने वाला सबसे व्यापक और निर्णायक अभियान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जनगणना-2027 के प्रथम चरण के लिए आयोजित राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में दीप प्रज्ज्वलित कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सम्मेलन में जनगणना-2027 की प्रक्रिया पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सत्र में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, रजिस्ट्रॉर जनरल तथा जनगणना आयुक्त श्री मृत्युंजय कुमार नारायण, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) श्री नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव गृह श्री शिवशेखर शुक्ला उपस्थित थे। सम्मेलन में प्रदेश के सभी संभागायुक्त, कलेक्टर्स, नगर निगम आयुक्त तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारी सम्मिलित हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने डिजिटल जनगणना कराने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। देश में आखिरी बार वर्ष 1931 में सामाजिक स्तर की जनगणना की गई थी। उन्होंने जनगणना की प्रक्रिया में गांवों, मजरों-टोलों के साथ-साथ बेचिराग गांवों की स्थिति के आंकलन की व्यवस्था करने की भी आवश्यकता बताई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में सड़क, अस्पताल, स्कूल एवं अन्य कार्यों की योजनाएं जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही बनाई जाती हैं। जनगणना केवल संख्या गिनने की प्रक्रिया नहीं है, यह राज्य की संवेदनशीलता, प्रशासन की विश्वसनीयता, प्रतिबद्धता और शासन की पारदर्शिता की परीक्षा है। प्रदेश के अलग-अलग अंचलों की चुनौतियां भिन्न हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष रणनीति अपनाते हुए समयबद्ध रूप से जनगणना की जिम्मेदारियों का निर्वहन किया जाए। इस पूरी प्रक्रिया की सफलता का केन्द्र मैदानी प्रशासनिक अधिकारी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर्स और कमिश्नर्स से जनगणना कार्य को रणनीतिक नेतृत्व प्रदान करते हुए जनगणना के सभी उद्देश्यों की समय सीमा में पूर्ति करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मेलन में उपस्थित प्रदेश के सभी कमिश्नर-कलेक्टरों से कहा कि मध्यप्रदेश विधानसभा का बजट सत्र 16 फरवरी से प्रारंभ होकर 6 मार्च तक चलेगा। उन्होंने आगामी महाशिवरात्रि और होली जैसे त्यौहारों के दृष्टिगत शांति समितियों के साथ बैठक कर अन्य आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कानून व्यवस्था दुरुस्त रखने में जन भावनाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। नागरिकों के स्वास्थ्य की दृष्टि से मिलावटी मिठाई, रंगों में मिलावट एवं अन्य खाद्य पदार्थों की जांच के लिए विशेष प्रबंध किए जाएं। होली के त्यौहार में सामाजिक समरसता सुनिश्चित हो। प्रदेश में जल संरचनाओं के निर्माण में मुआवजे के प्रकरणों का निराकरण संवेदनशीलता के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि हमें विकास के साथ-साथ जनभावनाओं का ध्यान भी रखना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भावांतर योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए सभी अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विकसित भारत जी-रामजी योजना के क्रियान्वयन के लिए बेहतर प्रबंध किए जाएं। राज्य सरकार ने वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में घोषित किया है। किसानों से जुड़ी सभी योजनाओं और कार्यों के लिए उचित प्रबंध किए जाएं। ग्रीष्मकालीन फसलों में राज्य सरकार उड़द और मूंगफली के उत्पादन को प्रोत्साहित करने की योजना बना रही है। मक्का की फसलों से भी किसान लाभान्वित हो रहे हैं। नरवाई जलाने की घटनाओं को शून्य करने में विभिन्न जिले स्वस्थ प्रतिस्पर्धा रखें। प्रदेश में दलहन-तिलहन उत्पादन को बढ़ाने के लिए कार्य किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खनिज, पंजीयन, आबकारी के अंतर्गत राजस्व संग्रहण लक्ष्यों को प्राप्त करना सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने कहा कि चुनाव और जनगणना को प्रशासनिक व्यवस्था का सबसे कठिन कार्य माना जाता है। देश में हर 10 साल में जनगणना होती है। प्रशासनिक अधिकारियों के लिए जनगणना, अपनी प्रबंधन दक्षता को सिद्ध करने और अपने अनुभवों का समृद्ध करने का श्रेष्ठ अवसर है। इस बार तकनीक के बेहतर उपयोग से जनगणना के आंकड़े डिजिटल व्यवस्था के परिणामस्वरूप जल्दी आएंगे। मध्यप्रदेश विविधता से समृद्ध राज्य है। यहां करीब 1 लाख 27 हजार मजरे-टोले हैं, अगर मकानों की गणना के पत्रक में एक कॉलम मजरे टोले का रखा जाए, तो इससे राज्य सरकार को भविष्य की योजनाएं बनाने में मदद मिलेगी। जीआईएस सिस्टम से महत्वपूर्ण जानकारियां मिलेंगी। अगर आंकड़े सही तरीके से फीड किए जाएंगे तो जनगणना का परिणाम बेहतर मिलेगा। यह नागरिकों की भी जिम्मेदारी है कि वे अपनी सही जानकारियां फील्ड अधिकारियों को उपलब्ध कराएं। उन्होंने प्रशिक्षण की व्यवस्था पर विशेष ध्यान रखने, समय-सीमा में सभी गतिविधियों के संचालन और जनसामान्य में जनगणना के संबंध में जागरूकता बढ़ाने पर विशेष बल दिया।

आयुक्त जनगणना श्री मृत्युंजय कुमार नारायण ने कहा कि जनगणना के कार्य को मध्यप्रदेश में उच्च प्राथमिकता प्रदान करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि संवैधानिक दायित्व और राष्ट्र की प्रगति का मजबूत आधार स्तंभ है। विधानसभा और लोकसभा के क्षेत्रों का निर्धारण जनसंख्या के आधार पर होता है, यह तथ्य बताता है कि हमारी प्रजातांत्रिक व्यवस्था के केंद्र में जनगणना है। इन आंकड़ों का व्यापक उपयोग नीति निर्धारण और योजनाओं के क्रियान्वयन में किया जाता है। कई योजनाएं जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही शुरू की गई थीं। जनगणना देश के विकास का एक दर्पण है। देश में पहली बार डिजिटल माध्यम से जनगणना होगी, इसके लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म तैयार किया गया है। जनगणना में स्व-गणना का विकल्प भी उपलब्ध कराया जा रहा है। नागरिक मोबाइल, लैपटॉप और डेस्क-टॉप से जानकारी दर्ज कर सकते हैं। इस बार जातिगत जनगणना भी होगी। उन्होंने प्रदेश में जनगणना कार्य के लिए प्रदान किए जा रहे सहयोग के लिए राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया। निदेशक जनगणना कार्य श्री कार्तिकेय गोयल ने कहा कि जनगणना 2027 के अंतर्गत प्रथम चरण में मकानों की सूची तैयार करने का कार्य मध्यप्रदेश में मई माह में 1 से 30 तारीख के बीच किया जाएगा।

दो चरणों में होगी जनगणना

भारत की जनगणना विश्व का सबसे बड़ा प्रशासनिक कार्य है। भारत में जनांकिकीय व आर्थिक आकड़ों का ग्राम एवं वार्ड स्तर पर उपलब्ध कराने का एकमात्र स्त्रोत है। आगामी जनगणना 2027 पूर्व की जनगणनाओं की भांति इस बार भी 2 चरण में संपादित की जाएगी, जिसके लिए जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार द्वारा राजपत्र में अधिसूचना 16 जून 2025 जारी की जा चुकी हैं। इसी क्रम में मध्यप्रदेश राज्य में जनगणना 2027 के प्रथम चरण का कार्य 1 मई से 30 मई 2027 तक पूर्ण किया जायेगा, जिसकी अधिसूचना मध्यप्रदेश शासन द्वारा राजपत्र में जारी की जा चुकी हैं।

प्रथम चरण में मकान सूचीकरण का कार्य किया जायेगा। इसमें मकानों की स्थिति, सुविधाओं एवं परिसंपत्तियों का विवरण प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर एकत्रित किया जायेगा। द्वितीय चरण में जनसंख्या की गणना का कार्य फरवरी, 2027 में कराया जाएगा। जनसंख्या की गणना के दौरान प्रत्येक व्यक्ति की गणना की जाएगी। साथ ही, व्यक्तियों के सम्बन्ध में अन्य विभिन्न बिन्दुओं जैसे-आयु, लिंग, वैवाहिक स्थिति, धर्म, दिव्यांगता, मातृभाषा, साक्षरता, शैक्षणिक योग्यता, आर्थिक क्रियाकलाप, प्रवास, प्रजननता विवरण इत्यादि पर जानकारी एकत्रित की जाएगी।

ऑनलाइन खरीदी सेवा में कमी सिद्ध-अमेज़न उपभोक्ता को राशि लौटाएं व क्षतिपूर्ति के आदेश

इंदौर-आगाज़ इंडिया

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग क्रमांक-एक, इंदौर ने ऑनलाइन ई-कॉमर्स कंपनी अमेज़न के विरुद्ध एक महत्वपूर्ण आदेश पारित करते हुए उपभोक्ता के पक्ष में निर्णय दिया है।

जागरूक उपभोक्ता समिति के अध्यक्ष श्री मुकेश कुमार अमोलिया द्वारा परिवादी की ओर से केस लड़ा गया और आयोग की सदस्य डॉ. निधि बारंगे द्वारा आदेश पारित किया गया। आयोग की सदस्य डॉ. बारंगे ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि प्रकरण में उपभोक्ता को सेवा में कमी का सामना करना पड़ा, जिसके लिए विपक्षी कंपनी उत्तरदायी है।

परिवादी श्री मयंक जैन, निवासी वर्धमान नगर, भुवानी, इंदौर द्वारा प्रकरण दायर किया गया था। परिवाद के अनुसार, परिवादी ने अमेज़न की वेबसाइट के माध्यम से अगस्त 2021 में दो परिधान उत्पाद (डिज़ाइनर लहंगा चोली) ऑनलाइन ऑर्डर किए थे, जिनकी कुल कीमत 97 हजार 998 रुपये थी। उत्पाद प्राप्त होने पर वे अपेक्षित गुणवत्ता एवं विवरण के अनुरूप नहीं पाए गए। इसके पश्चात परिवादी द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उत्पाद लौटाए गए, किंतु इसके बावजूद कंपनी द्वारा आज तक भुगतान की गई राशि वापस नहीं की गई।

आयोग की सदस्य डॉ. निधि बारंगे के समक्ष सुनवाई के दौरान यह तथ्य सामने आया कि परिवादी ने समय-समय पर कंपनी से संपर्क किया गया। कम्पनी द्वारा संतोषजनक समाधान नहीं दिया गया। सदस्य डॉ. निधि बारंगे ने यह भी माना कि विपक्षी द्वारा प्रस्तुत तर्क एवं दस्तावेज़ सेवा में कमी को नकारने के लिए पर्याप्त नहीं हैं।

प्रकरण की सुनवाई अध्यक्ष श्री विकास राय तथा सदस्य श्री कुंदन सिंह चौहान एवं आयोग की सदस्य डॉ. निधि बारंगे की पीठ द्वारा की गई।

आयोग ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के अंतर्गत निर्णय पारित करते हुए अमेज़न को निर्देशित किया कि परिवादी को दोनों उत्पादों की कुल राशि एक लाख रुपये 45 दिवस के भीतर लौटाई जाए तथा उक्त राशि पर 21 दिसंबर 2021 से भुगतान की तिथि तक 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देय होगा।

साथ ही मानसिक कष्ट के प्रतिकर स्वरूप 10 हजार रुपये तथा वाद व्यय के रूप में 5 हजार रुपये अतिरिक्त रूप से अदा किए जाएं। आयोग ने यह भी निर्देश दिए कि आदेश की प्रति निःशुल्क उपलब्ध कराई जाए तथा आयोग की वेबसाइट पर प्रकाशित की जाए। यह निर्णय ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से खरीदारी करने वाले उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण उदाहरण माना जा रहा है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि ऑनलाइन कंपनियाँ भी उपभोक्ता कानून के दायरे में पूर्णतः उत्तरदायी हैं।

कोल माफिया के हौसले बुलंद अवैध खनन रोकने पहुंची वन विभाग की टीम पर हमला रेंजर से हुई मार पीट

शहडोल/प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल के सोहागपुर क्षेत्र में अवैध कोयला खनन रोकने पहुंची वन विभाग टीम पर माफियाओं ने हमला कर रेंजर रामनरेश विश्वकर्मा से मारपीट की। 24 घंटे बाद भी एफआईआर दर्ज नहीं होने पर डीएफओ ने पुलिस पर आरोप लगाए।

ग्रामीणों ने भी अवैध परिवहन रोकने की मांग की

जिले में कोल माफिया के हौंसले किस कदर बुलंद हैं, इसका अंदाजा सोहागपुर थाना क्षेत्र के खितौली बीट में हुई ताजा घटना से लगाया जा सकता है। वन भूमि से अवैध कोयला उत्खनन की सूचना पर कार्रवाई करने पहुंची वन विभाग की टीम पर माफियाओं ने हमला बोल दिया। इस हमले में शहडोल रेंजर रामनरेश विश्वकर्मा सहित एक अन्य वन कर्मी को मामूली चोटें आई हैं। घटना को 24 घंटे से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज नहीं किया था।

ट्रैक्टर-ट्रॉली से हो रहा था अवैध परिवहन

वन विभाग के अनुसार बुधवार रात ग्राम उमरटोला के ग्रामीणों ने पुलिस और वन विभाग को सूचना दी कि घोड़सूनाला क्षेत्र से अवैध कोयला निकालकर ट्रैक्टर-ट्रॉली के माध्यम से परिवहन किया जा रहा है। ग्रामीणों ने कोयले से भरी एक ट्रॉली को गांव में रोक लिया था। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन उनके पहुंचने से पहले ही माफिया ट्रॉली से कोयला उमरटोला स्कूल के पास सड़क पर डंप कर फरार हो गए।

रेंजर के साथ हुई मारपीट

ग्रामीणों के अनुसार माफियाओं ने गाली-गलौज और मारपीट करते हुए ट्रैक्टर लेकर बरखेड़ा गांव की ओर भाग निकले। सूचना मिलने पर रेंजर रामनरेश विश्वकर्मा डॉग स्क्वॉड टीम के साथ बरखेड़ा पहुंचे। आरोप है कि वहां चिंटू सिंह परिहार, बिट्टन, महेश सहित 10-12 लोगों ने उन्हें वाहन से उतारकर मारपीट की और उनकी शर्ट फाड़ दी। इस दौरान डीएफओ श्रद्धा पेंद्रो भी घटना स्थल के आसपास मौजूद थीं, लेकिन उनका वाहन आगे निकल गया और रेंजर का वाहन रोककर हमला किया गया। रेंजर के सामने डीएफओ पर माफियाओं ने आपत्तिजनक शब्द भी कहे है।

पुलिस द्वारा माफियाओं को मिल रहा संरक्षण

डीएफओ श्रद्धा पेंद्रो ने बताया कि अवैध खनन की सूचना मिलते ही टीम भेजी गई थी और वह स्वयं भी मौके के लिए रवाना हुई थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि वन कर्मियों के साथ न केवल मारपीट की गई, बल्कि शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न की गई और अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया। डीएफओ ने कहा कि शिकायत लेकर कर्मचारी सोहागपुर थाने पहुंचे, लेकिन अब तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। उनका आरोप है कि पुलिस माफियाओं को बचाने का प्रयास कर रही है। डीएफओ ने यह भी बताया कि उन्होंने एडिशनल एसपी को लगभग सात बार फोन किया, लेकिन केवल एक बार ही बात हो सकी और उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला। उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है।

टी आई के अनुसार सोहागपुर थाना प्रभारी अरुण पांडे का कहना है कि शिकायत प्राप्त हुई है और मामले की जांच की जा रही है। पीड़ितों को बयान के लिए बुलाया गया है, जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीणों ने दी एस पी की लिखित शिकायत

खेतौली के ग्रामीणों का कहना है कि दिन रात लगभग 10 ट्रैक्टर कोयला लोड कर गांव की सड़क से माफिया परिहवन करते है। जिसका ग्रामीणों ने विरोध कई बार किया है। स्थानिक ग्रामीण प्रसादी सिंह ने कहा कि गांव की सड़क पर छोटे-छोटे बच्चे खेलते हैं। कई बार माफियाओं को मना किया, लेकिन वह मारपीट पर उतारू हो जाते हैं। कल बुधवार रात तेज रफ्तार में ट्रैक्टर कोयला लेकर जा रहा था, जिसे हमने रोका था चालक ने अपने मालिक को बुला लिया फिर माफिया आ गए,और विवाद करने लगे। पुलिस आई नहीं वन विभाग की टीम आई लेकिन उसके पहले ही माफिया भाग गए। उन्होंने आगे कहा कि हमने मामले की शिकायत गुरुवार को कलेक्टर और एस पी से लिखित रूप में की है ।और अवैध खनन पर रोक लगाने की मांग की है।

आकस्मिक निधन

देपालपुर। नगर के स्वर्गीय मोहनलालजी सोनी के पुत्र ,अनिल सोनी के छोटे भाई, सत्यम सोनी, सुंदरम सोनी के पिता एव देपालपुर सराफा एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष, स्वर्णकार सोनी समाज के उपाध्यक्ष सुनील(सोनू)सोनी का आकस्मिक निधन हो गया, जिनकी शवयात्रा में बड़ी संख्या में नगर के वरिष्ठजन एव समाजजनो द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

पुलवामा शहीदों की याद में आबकारी सब इंस्पेक्टर ने लिखा गीत

देपालपुर। पुलवामा हमले में शहीद हुए जवानों की याद में आबकारी इंस्पेक्टर हरेंद्र सिंह घुरैया ने एक नया गीत लिखा है।

इस गीत की पंक्तियाँ देशभक्ति और जोश से भरी हैं— "यलगार हो जाये, दुश्मन को घर में घुसकर मारें, अबकी आर-पार हो जाये" उन्होंने यह गीत कल सोशल मीडिया पर जारी किया है। गीत लोगों को बहुत पसंद आ रहा है और तेजी से दौड़ रहा है सब इंस्पेक्टर घुरैया को गीत लिखने का शौक है। वे अब तक 200 से ज्यादा गीत लिख चुके हैं। गणतंत्र दिवस पर भी उन्होंने वंदे मातरम गीत लिखा था। ड्यूटी की व्यस्तता के बावजूद वे जब भी समय निकाल पाते हैं, गीत लिखते हैं। उनका कहना है कि गीत लिखना उनके लिए दिल की बात है और देश के प्रति प्रेम की अभिव्यक्ति है।

जिला पंचायत सीईओ ने निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक ली

उज्जैन। शुक्रवार को जिला पंचायत सभागृह में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट की अध्यक्षता में निर्माण कार्यो की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में श्री कूमट ने ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले कार्यों में देरी होने पर संबंधित उपयंत्रियों के प्रति नाराजगी जताई।जिला पंचायत सीईओ श्री श्रेयांस कूमट ने जिला पंचायत के सभाकक्ष में समीक्षा बैठक ली । बैठक में महात्मा गांधी नरेगा योजना की समीक्षा की गई। जिसके अंतर्गत वार्षिक लेबर बजट पूर्ति, वर्तमान में नियोजित मजदूर नियोजन, अपूर्ण कार्य, गौशाला, एक बगिया मां के नाम, लंबित भुगतान संबंधी समीक्षा की गई। इसके उपरांत निर्माण कार्यो की समीक्षा की गई। साथ ही 15 वें वित्त, आंगनवाडी भवन , पंचायत भवन , शौचालय निर्माण , विधायक निधि के कार्य, आदिम जाति विभाग, सर्व शिक्षा विभाग एवं सांख्यिकी विभाग के निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की गई । समीक्षा के दौरान कम प्रगति वाले उपयंत्रियों की प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सीईओ ने 15 दिवस में सामुदायिक कार्यो के लिए 50 प्रतिशत पूर्णता का लक्ष्य दिया गया। साथ ही जनपद पंचायतों के सीईओ को निर्देश दिये गये कि लक्ष्य अनुसार समय पर कार्य पूर्ण नही करने वाले उपयंत्रियों से स्पष्टीकरण प्राप्त करें। समय सीमा में प्रगति नहीं आने पर कार्यवाही के लिए प्रस्ताव भेजे।बैठक में जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, योजनाओं के प्रभारी अधिकारी एवं जनपद स्तर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, सहायक यंत्री एवं योजनाओं के प्रभारी अधिकारी व उपयंत्री उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि पर्व पर नगर में बड़ा आयोजन

देपालपुर-आगाज़ इंडिया

श्री जबरेश्वर महादेव मंदिर जिसका संघर्ष सतत् 2017 से चल रहा है 2017 में मकर संक्रांति पर इसका आगाज हुआ था और तभी से हर वर्ष सैकड़ों की संख्या में महाशिवरात्रि पर्व पर भक्त एकत्रित होते है और शोभायात्रा निकालकर श्री जबरेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर जलाभिषेक करते है परंतु दुखद विषय ये है कि वहां पर कुछ वर्षो पहले विधर्मियों द्वारा मंदिर ओर आसपास की जगह पर कब्जा कर लिया गया था जिसकी सूचना 2017 में जबरेश्वर सेना को प्राप्त हुई ,तभी से जबरेश्वर सेना ने मंदिर को पुनः अपने स्वरूप में लाने के लिए अब तक प्रयास कर रही है जबरेश्वर सेना संरक्षक राजेंद्र चौधरी का कहना है कि विधर्मियों द्वारा मंदिर एवं सनातन संस्कृति को गहरी चोट पहुंचाई गई जिसका जवाब हिंदू समाज अवश्य देगा, हम हर वर्ष महाशिवरात्रि पर्व पर एकत्रित होकर श्री जबरेश्वर महादेव का अभिषेक करते है एवं ये संकल्प लेते है कि जल्द ही श्री जबरेश्वर महादेव अपने स्थान पर विराजमान हो जिसके लिए जो भी कार्य करना होगा साम दाम दंड भेद हर प्रकार का प्रयास हम करते रहेंगे मंदिर संघर्ष को लेकर हर गांव समरसता भोज का आयोजन भी किया गया ,राजेंद्र चौधरी ने बताया कि मंदिर का केस हाई कोर्ट में लंबित हैं लेकिन जल्द ही इस पर निर्णय होना चाहिए,हिंदू समाज अब बर्दाश्त नहीं करेगा माना जाता है कि राजेंद्र चौधरी के पास देपालपुर तहसील में युवाओं की बहुत बड़ी फौज है जिसका उदाहरण अभी महाशिवरात्रि पर देखने को मिल सकता है जबरेश्वर सेना ने देपालपुर नगर एवं आसपास के ग्रामीण लोगों से आव्हान किया है कि वे 15 फरवरी रविवार को श्री जबरेश्वर महादेव की भव्य शाही सवारी में पधारे ओर इस ऐतिहासिक कार्य का हिस्सा बने।

ग्वालियर के पैरा तैराक ने विश्व में लहराया अपना परचम

22 किलोमीटर लंबी कुक जलडमरूमध्य को पार कर सतेन्द्र ने रचा इतिहास

ब्यूरो चीफ दिव्यानंद अर्गल

ग्वालियर :- भोपाल की ऊपरी झील में तैरने पर प्रतिबंध लगने के बावजूद, सतेंद्र सिंह ने इस अस्वीकृति को दृढ़ संकल्प में बदल दिया और गुरुवार को मध्य प्रदेश के इस पैरा तैराक ने दुनिया के सबसे कठिन समुद्री मार्गों में से एक, न्यूजीलैंड की कुक जलडमरूमध्य को पार करके अपनी असाधारण यात्रा को पूरा किया।

पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित सतेंद्र सिंह ने 22 किलोमीटर लंबी कुक जलडमरूमध्य की तैराकी 9 घंटे 42 मिनट में पूरी करके इतिहास रच दिया और ऐसा करने वाले एशिया के पहले पैरा-तैराक बन गए। उनकी इस उपलब्धि ने राज्य को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई है मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सिंह को बधाई देते हुए इस उपलब्धि को ऐतिहासिक बताया। फेसबुक पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा, "पद्म श्री और तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार से सम्मानित, मध्य प्रदेश के अंतरराष्ट्रीय पैरा तैराक श्री सतेंद्र लोहिया ने दुनिया के सबसे कठिन समुद्री मार्गों में से एक, न्यूजीलैंड के कुक जलडमरूमध्य को सफलतापूर्वक पार करके इतिहास रच दिया है।" उन्होंने आगे कहा, "इस उल्लेखनीय उपलब्धि के साथ, वे कुक जलडमरूमध्य को पार करने वाले

एशिया के पहले पैरा तैराक बन गए हैं।"

जुनून और आत्मविश्वास ने सतेन्द्र को पहुचा दिया शिखर तक

ग्वालियर के निवासी सतेंद्र , जो 70% दिव्यांग हैं और अपने पैरों का इस्तेमाल नहीं कर सकते, ने बताया कि लंबी दूरी की तैराकी के प्रति उनका जुनून 2016 में जागा जब उन्हें भोपाल की अपर लेक में तैरने की अनुमति नहीं मिली। निराशा से शुरू हुआ यह पल जल्द ही उनके दृढ़ संकल्प में बदल गया, जिसने उन्हें अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्रों में तैरने और रिकॉर्ड तोड़ने की ओर अग्रसर किया।. लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में पहले से ही अपना नाम दर्ज करा चुके सतेंद्र ने इससे पहले इंग्लिश चैनल (2018), अमेरिका में कैटालिना चैनल (2019) और नॉर्थ चैनल (2022) को पार किया है। वे एशिया के पहले पैरा-एथलीट भी हैं जिन्होंने इंग्लिश चैनल और कैटालिना चैनल दोनों को सफलतापूर्वक पार किया है।

हार नहीं मानी और ज्यादा मेहनत कर सफ़लता मे बदली

अपनी कहानी

अपने शुरुआती असफलताओं को याद करते हुए सतेंद्र ने बताया कि 2017 में उन्हें इंग्लिश चैनल पार करने की अनुमति भी नहीं मिली थी, लेकिन एक साल बाद उन्होंने इसे सफलतापूर्वक पूरा किया। मुस्कुराते हुए उन्होंने कहा, "मैंने कभी हार नहीं मानी।" इंदौर में तैनात सरकारी कर्मचारी सतेंद्र को 2014 में विक्रम पुरस्कार मिला था। उन्होंने कहा, "मैं एक संदेश देना चाहता हूं: अगर कोई दिल से कोशिश करे तो चमत्कार कर सकता है।" सतेंद्र 18 जनवरी को न्यूजीलैंड पहुंचे थे और उन्हें जनवरी में ही यह प्रयास करना था, लेकिन मौसम ने इसकी अनुमति नहीं दी। सतेंद्र ने कहा, "मैं खाली हाथ नहीं लौटना चाहता था। मुझे खुशी है कि मैं आज इसे हासिल करने में सफल रहा।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल 12वीं की परीक्षा में 7204 विद्यार्थी हुए शामिल

शहडोल/प्रदीप सिंह बघेल

माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल द्वारा आज कक्षा 12वीं के भौतिक शास्त्र, अर्थशास्त्र तथा एनीमल हसबैन्डरी विषयों की परीक्षाएं सम्पन्न हुईं।

इन विषयों की परीक्षा हेतु पंजीकृत 7290 विद्यार्थियों में से 7204 विद्यार्थी परीक्षा शामिल हुए, जबकि 86 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। जिले में कोई भी नकल प्रकरण दर्ज नहीं किया गया। कलेक्टर द्वारा गठित विभिन्न पैनलों द्वारा

विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी श्री अमरनाथ सिंह के नेतृत्व में गठित पैनल द्वारा परीक्षा केन्द्र करकी, टिहकी, भारतीयम विद्यालय ब्यौहारी, सरस्वती स्कूल ब्यौहारी का, डीपीसी पैनल द्वारा महिला समिति शहडोल, रघुराज स्कूल क्र. 01, भारत माता विद्यालय शहडोल, सरस्वती स्कूल शहडोल, कन्या सोहागपुर तथा बालक सोहागपुर का निरीक्षण किया गया। एसडीएम जयसिंहनगर के पैनल द्वारा परीक्षा केन्द्र सीधी, बनसुकली एवं अमझोर का तथा एसडीएम ब्यौहारी के पैनल द्वारा मॉडल स्कूल खड़हुली, बाणसागर तथा भारतीयम ब्यौहारी का निरीक्षण किया गया। जिले में शान्ति पूर्ण तरीके से परीक्षा सम्पन्न हुई।

जनपद सीईओ गोहपारू द्वारा ऑगनवाड़ी केंद्र कर्री का किया गया निरीक्षण

शहडोल/प्रदीप सिंह बघेल

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गोहपारू श्री सुधीर दिनकर ने संपूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्र कर्री का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के समय केन्द्र में दर्ज सभी बच्चे उपस्थित थे तथा उन्हें मीनू के अनुसार नाश्ते का वितरण भी किया जा रहा था। केन्द्र में साफ-सफाई संतोषजनक मिली। उन्होंने निरीक्षण के दौरान गर्भवती माताओं के पंजीयन, कुपोषित बच्चों की जानकारी, एनआरसी में भर्ती कराने, टेक होम राशन का वितरण, टीकाकरण कार्यक्रम, सहित अन्य विभागीय मानको की समीक्षा करते हुए संपूर्णता अभियान के तहत सभी घटकों में शत-प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त करने के निर्देश दिए।

नब्ज देखकर बता रहे है रोग की जानकारी, जड़ीबुटियों से उपचार

श्री महाकाल वन मेला में लगे 250 स्टॉलों पर आयुर्वेदिक उत्पादों की हो रही बिक्री

उज्जैन. दशहरा मैदान पर वन विभाग द्वारा आयोजित 6 दिवसीय वन मेले में अकाष्ठीय वनोपज, ग्रामीण आजीविका, हर्बल उद्यमिता, संरक्षण, प्रसंस्करण और विपणन के स्टॉल पर लोगों की भीड़ लगी है। मेले में लगे 250 स्टॉलों पर वनोपज, आयुर्वेदिक उत्पादों की बिक्री की जा रही है।

मेले में परम्परागत वैद्यों द्वारा नब्ज देखकर निःशुल्क चिकित्सीय परामर्श के साथ आयुर्वेद और जड़ीबुटियों के माध्यम से उपचार भी दिया जा रहा है। मेले में प्रतिदिन लोग चिकित्सीय परामर्श का लाभ उठा रहे है।

वन विभाग द्वारा आयोजित 06 दिवसीय श्री महाकाल वन मेले में 250 भव्य, आकर्षक स्टॉल लगाए गए हैं। इनमें 76 स्टॉल प्राथमिक लघु वनोपज समितियों और वन धन केंद्रों के हैं वहीं 76 स्टॉल निजी क्षेत्र के उद्यमियों के हैं। 16 स्टॉल विभिन्न शासकीय विभागों की प्रदर्शनी के लिए हैं, 16 स्टॉल वन आधारित फूड ज़ोन के हैं। मेले का शुभारंभ 11 फरवरी को होने के बाद से ही वनोपज और आयुर्वेद का लाभ लेने के लिए लोगों का रुझान दिखाई दे रहा है। यहां 50

स्टॉल निःशुल्क आयुर्वेदिक ओपीडी के लिए समर्पित किए गए हैं। इन स्टॉल में 50 आयुर्वेदिक डॉक्टर और पारंपरिक वैद्य सेवाएं दे रहे है।नब्ज देखकर जान रहे रोगश्री महाकाल वन मेले में परम्परागत वैद्यों द्वारा नब्ज देखकर निःशुल्क चिकित्सीय परामर्श के साथ आयुर्वेद और जड़ीबुटियों के माध्यम से उपचार भी दिया जा रहा है। प्रतिदिन मेले में आने वाले लोग वेद्य से रोगों के उपचार के निशुल्क परामर्श के बाद रोग निदान के लिए आयुर्वेदिक औषधि और जड़ीबुटियों की खरीददारी कर रहे है। जबलपुर से आए वैद्य श्री संतोष आनंद जायसवाल ने बताया कि उनके स्टॉल पर अधिकांश रोगी गाठियावात, मिर्गी, माइग्रेन, दमा, भगंदर, बबासीर, साइटिका, पीलिया, किडनी रोग के अलावा प्रोस्टेट केंसर के रोगी भी निशुल्क परामर्श लेने के बाद जड़ीबुटियों के माध्यम से इलाज करा रहे है। वेद्य श्री जायसवाल विगत 19 वर्षों से वन विभाग द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित होने वाले वन मेले में रोग परीक्षण के लिए अपनी सेवाएं दे रहे है। उनका कहना है कि जटिल रोगों का इलाज भी आयुर्वेदिक औषधियों और जड़िबुटियों से किया जा रहा है।

मेले में पारंपरिक खान-पान का स्वाद भी ले रहे है श्री महाकाल वन मेले में लगे फूड ज़ोन में बांधवगढ़ के गोंडी व्यंजन, छिंदवाड़ा की वन भोज रसोई और अलीराजपुर का पारंपरिक दाल-पानिया के स्टॉल पर लोग पारंपरिक खान-पान का स्वाद भी ले रहे है। साथ ही दोना-पत्तल निर्माण, शहद, लाख, कोदो-कुटकी, सबई रस्सी जैसे उत्पादों का जीवंत प्रदर्शन हो रहा है। मेले में महुआ फूल, महुआ गुल्ली, साल बीज, अचार गुठली, आंवला, जामुन, बेल फल एवं चकोंडा बीज जैसे प्रमुख उत्पाद भी विक्रय हो रहे है।

वन मेले में चीता परिवार एवं डायनासोर का विशाल स्कल्पचर बन रहा आकर्षण का केंद्रश्री महाकाल वन मेले में लगाए गए चीता परिवार और डायनासोर का विशाल स्कल्पचर आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। स्कल्पचर देखने के लिए लोगों की भीड लग रही है। मेले में आने वाले वरिष्ठ नागरिकों के लिये व्हीलचेयर एवं गोल्फ कॉर्ट की सुविधा, ओपीडी में उपचार कराने वाले लोगों के लिए पृथक से बैठक व्यवस्था, बच्चों के लिए आकर्षक एवं मजेदार किड्स जोन की सुविधा भी है।

धोखा दे गई 'थार' की रफ़्तार

20 लाख की लग्जरी गाड़ी में बिक रही थी 70 लीटर कच्ची शराब, सुरवाया पुलिस का बड़ा प्रहार!

शिवपुरी | नशे के सौदागर अब लग्जरी गाड़ियों का सहारा लेकर कानून की आंखों में धूल झोंकने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन शिवपुरी पुलिस के चौकस इरादों ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया।

SP अमन सिंह राठौड़ के 'नशा मुक्ति' अभियान के तहत सुरवाया थाना प्रभारी अरविंद छारी और उनकी टीम ने फिल्मी स्टाइल में घेराबंदी कर एक बिना नंबर की काली महिंद्रा थार को दबोचा है।

अमोला घाटी पर हाई-वोल्टेज ड्रामा

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक तस्कर काले रंग की थार में शराब की बड़ी खेप लेकर करैरा की ओर निकल रहा है। सुरवाया पुलिस ने फुर्ती दिखाते हुए खुटैला तिराहा और अमोला घाटी के पास जाल बिछाया। जैसे ही बिना नंबर की चमचमाती थार वहां पहुंची, पुलिस ने उसे चारों तरफ से घेर लिया।

ठाठ नवाबी, धंधा खराबी!

जब पुलिस ने 20 लाख की कीमती थार की तलाशी ली, तो अंदर का नजारा देख अधिकारी भी दंग रह गए। स्वैग के लिए पहचानी जाने वाली इस गाड़ी में 70 लीटर अवैध कच्ची शराब भरी हुई थी।

जब्त माल की कीमत: 20,14,000/- (बीस लाख से ज्यादा)

कार्यवाही: आरोपी गिरफ्तार, आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत केस दर्ज।

कमांडो स्टाइल में एक्शन लेने वाली टीम:

इस "ताबड़तोड़" कार्यवाही में सुरवाया थाना प्रभारी अरविंद छारी, सउनि सतेंद्र सिंह, प्रआर. हर्ष झा, प्रआर. मनीष सैन और आरक्षक रमाकांत पाराशर की मुख्य भूमिका रही।

समाधान योजना में अब तक 05 लाख 58 हजार से अधिक उपभोक्ताओं को मिली सरचार्ज में छूट

देवास. मध्यप्रदेश सरकार की समाधान योजना 2025-26 का द्वितीय व अंतिम चरण 28 फरवरी तक लागू है।

इस दौरान तीन माह से अधिक के बकायादार उपभोक्ताओं को एकमुश्त राशि जमा करने पर 90 प्रतिशत तक सरचार्ज में छूट का लाभ दिया जा रहा है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि पिछले साल 3 नवंबर से शुरू हुई समाधान योजना 2025-26 में शामिल होकर लाखों बकायादार उपभोक्ताओं ने छूट का लाभ लिया।

कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि तीन माह से अधिक के बकायादार उपभोक्ता योजना के प्रथम चरण में शामिल नहीं हो पाए, वे अब द्वितीय चरण में शामिल होकर अपना बकाया बिल एकमुश्त जमा करके 90 फीसदी तक सरचार्ज माफी का लाभ उठा सकते हैं।

समाधान योजना में 2025-26 में अब तक मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के 5 लाख 58 हजार 598 बकायादार उपभोक्ताओं ने अपना पंजीयन कराकर लाभ लिया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के खाते में 553 करोड़ 90 लाख से अधिक की मूल राशि जमा हुई है, जबकि 267 करोड़ 70 लाख रूपए का सरचार्ज माफ किया गया है।

समाधान योजना 2025-26 के लागू होने से ऐसे अनेक उपभोक्ता हैं, जो बकाया बिल जमा कर रहे हैं और एकमुश्त बकाया राशि जमा करने पर अधिकतम छूट का लाभ ले रहे हैं।

यह योजना उन बकायादार उपभोक्ताओं के लिए वरदान बनी है जो सरचार्ज के कारण मूलधन राशि जमा नहीं कर पा रहे थे। अब उन्हें समाधान योजना के द्वितीय चरण में सरचार्ज में 50 से लेकर 90 प्रतिशत तक छूट के साथ एकमुश्त अथवा किस्तों में भुगतान करने का विकल्प मिल रहा है।

समाधान योजना 2025-26 : एक नजर में

समाधान योजना 2025-26 का उद्देश्य 3 माह से अधिक अवधि के उपभोक्ताओं को बकाया विलंबित भुगतान के सरचार्ज पर छूट प्रदान करना है। यह योजना जल्दी आएं, एकमुश्त भुगतान कर ज्यादा लाभ पाएं के सिद्धांत पर आधारित है। योजना में द्वितीय और अंतिम चरण 01 फरवरी से शुरू हो चुका है जो कि 28 फरवरी 2026 तक चलेगा। दूसरे चरण में एक मुश्त भुगतान करने पर 70 से 90 फीसदी तथा किस्तों में भुगतान करने पर 50 से 60 फ़ीसदी तक सरचार्ज माफ किया जा रहा है।

समाधान योजना 2025-26 का लाभ उठाने के लिए उपभोक्ताओं को म.प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी भोपाल के लिये portal.mpcz.in पर पंजीयन कराना होगा। कंपनी के "उपाय" ऐप एवं कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) तथा एमपी ऑनलाइन पर भी पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है। पंजीयन के दौरान अलग-अलग उपभोक्ता श्रेणी के लिए पंजीयन राशि निर्धारित की गई है।

घरेलू एवं कृषि उपभोक्ता कुल बकाया राशि का 10 प्रतिशत तथा गैर घरेलू और औद्योगिक उपभोक्ता कुल बकाया राशि का 25 प्रतिशत भुगतान कर पंजीयन कराकर योजना में शामिल होकर लाभ उठा सकते हैं। विस्तृत विवरण तीनों कंपनियों की वेबसाइटों पर भी देखा जा सकता है साथ ही विद्युत वितरण केंद्र से भी योजना के संबंध में जानकारी ले सकते हैं।

जिले में औद्योगिक विस्तार को लेकर बैठक संपन्न

उद्योगों के विकास, रोजगार, सुरक्षा व्यवस्था सहित मुख्य बिन्दुओं पर हुई चर्चा

बुरहानपुर. जिले में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शनिवार को कलेक्टर कार्यालय के मीटिंग हॉल में कलेक्टर श्री हर्ष सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित रही।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक श्री देवेन्द्र पाटीदार भी उपस्थित रहे। उद्योग विभाग अंतर्गत आयोजित बैठक में जिले में उद्योग क्षेत्र के विकास, रोजगार विस्तार एवं कौशल को गति प्रदान करने सहित मुख्य बिंदुओं पर चर्चा की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि उद्योगों के सुचारु संचालन के लिए पुलिस विभाग, नगर निगम, विद्युत विभाग तथा बैंकों के साथ समन्वय स्थापित करना, बैंकिंग सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था, कलस्टरों एवं विकास कार्यों को लेकर भी चर्चा की गई। मीटिंग में कलेक्टर श्री सिंह ने फायर स्टेशन को लेकर नगर निगम को निर्देश दिए ताकि आग जनित घटनाओं को नियंत्रित किया जा सके।

वहीं उन्होंने उद्योगों में अपने स्तर पर मॉक ड्रिल आयोजित करने तथा फायर एनओसी करवाने के निर्देश भी दिये। कलेक्टर श्री सिंह ने उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों की प्रोफाइल तैयार रखने एवं क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे संचालन के संबंध में भी बात कही।

इसके अतिरिक्त बैठक में जिले में ''एक जिला-एक उत्पाद'' के तहत केला से जुड़े उद्योगों में तकनीकी उन्नयन को बढ़ावा देने पर चर्चा हुई।

इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री वीरसिंह चौहान, एसडीएम बुरहानपुर श्री अजमेर सिंह गौड़, जिला उद्योग केन्द्र महाप्रबंधक श्री आत्माराम सोनी, उद्यानिकी, बैंक, श्रम, विद्युत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं जिले के उद्योगपति मौजूद रहे।

01 आरोपी गिरफ्तार

पुख्ता मुखबिर सूचना के आधार पर पीपलरावां पुलिस ने 06 पेटी अवैध देशी शराब कीमती 21,000/- का मश्रुका जप्त

देवास। पुलिस अधीक्षक देवास पुनीत गेहलोद के द्वारा संगठित अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु सम्पूर्ण जिले में "ऑपरेशन प्रहार" प्रारंभ किया गया है जिसके अंतर्गत अवैध शराब संबंधी अपराध में संलिप्त बदमाशों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जा रही है ।

इसी क्रम में दिनांक 12.02.2026 को थाना पीपलरावां पर सुराखेड़ा जोड़ के पास ग्राम पटाडिया ताज में अवैध शराब बिक्री की सूचना प्राप्त हुई । जिस पर से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) जयवीर सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) सोनकच्छ श्रीमती दीपा माण्डवे के निर्देशन में थाना प्रभारी पीपलरावां निरीक्षक सुबोध कुमार गौतम के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम गठित की गई । पुलिस टीम के द्वारा मुखबिर द्वारा बताये गये स्थान सुराखेड़ा जोड़ के पास ग्राम पटाडिया ताज में एक व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया । उक्त व्यक्ति से नाम पता पूछने पर अपना नाम हेमंत पिता नरेंद्र झांझा उम्र 28 साल निवासी कुमारिया बनवीर का होना बताया गया,जिसके क़ब्ज़े में रखें खाकी रंग के 06 कार्टून को चेक किया गया जिसमें देशी प्लेन शराब होना पाई गई आरोपी के क़ब्ज़े से 06 पेटी देशी प्लेन शराब क़ीमतें क़रीब 21,000/- की जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना पीपलरावां पर अपराध क्रमांक 37/2026 धारा 34(2) आबकारी एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया जाकर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपीः- 01.हेमंत पिता नरेंद्र झांझा उम्र 28 साल निवासी कुमारिया बनवीर थाना पीपलरावां जिला देवास ।

जप्त मश्रुकाः 06 पेटी अवैध देशी शराब कीमत 21,000/- का मश्रुका जप्त ।

सराहनीय कार्यःउक्त सराहनीय कार्य में थाना प्रभारी पीपलरावां निरीक्षक श्री सुबोध कुमार गौतम,उनि अरुण पिपल्दे चौकी प्रभारी चौबाराधीरा प्रआर महेन्द्र राव,राजेन्द्र,आरक्षक राजकुमार, बलराम की सराहनीय भूमिका रही।

धरती का चलता फिरता कल्प वृक्ष है गौमाता: जगदगुरू श्री राजेन्द्रदास महाराज

महाराज जी के प्रवचनों से क्षेत्र में गौसेवा की भावना होगी सुदृढ़ : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने गौकथा का किया श्रवण

भोपाल. बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में श्री रेवासा धाम एवं श्री वृंदावन धाम के पावन सानिध्य में मलूक पीठाधीश्वर श्री राजेंद्रदास जी महाराज द्वारा आयोजित गौकथा एवं गो आधारित प्राकृतिक खेती विषयक दिव्य कथा का आज द्वितीय दिवस अत्यंत भावपूर्ण वातावरण में हुआ।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि महाराज जी के प्रवचनों से क्षेत्र में गौसेवा की भावना निश्चित रूप से सुदृढ़ होगी। गौमाता के आशीर्वाद से यह क्षेत्र धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक दृष्टि से समृद्धि की ओर अग्रसर होगा। बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में चल रही दिव्य कथा का देश के नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने भी श्रवण किया। उन्होंने महाराज श्री से आशीर्वाद प्राप्त किया।

जगदगुरू श्री राजेंद्रदास जी महाराज ने कहा कि वर्तमान समय में समाज की दुर्दशा का मूल कारण गौवंश की उपेक्षा है। उन्होंने कहा कि भौतिक संपत्ति असुरों के पास भी थी, किंतु वह आसुरी संपत्ति थी, दैवीय संपत्ति नहीं। आसुरी संपत्ति मनुष्य को संसार के मोहजाल में फँसाती है, जबकि दैवीय संपत्ति उसे मोक्ष के मार्ग पर अग्रसर करती है। महाराज जी ने गौ सेवा को सच्ची समृद्धि का आधार बताते हुए कहा कि गौ माता की सेवा से बुद्धि निर्मल होती है, जीवन में सुख-शांति आती है और व्यक्ति के समस्त अशुभ कर्म सहज ही क्षीण हो जाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि धरती का कल्याण गौ संरक्षण से ही संभव है तथा गौ आधारित प्राकृतिक खेती ही आने वाले समय का सतत और सात्विक समाधान है। गौमाता धरती का चलता फिरता कल्पवृक्ष है जो सबकी कामनाओं की पूर्ति करती हैं।

श्री राजेंद्रदास जी महाराज ने कहा कि ऋग्वेद में वर्णित है जिस मनुष्य के पास कम से कम एक भी गौ होती है, वह धरती पर इंद्र के समान सौभाग्यशाली माना गया है। बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में हजारों गायों का संरक्षण हो रहा है जिससे इसकी कीर्ति बढ़ रही है। रीवा जिले के ही हिनौती गौधाम में 25 हजार गायों के संरक्षण के लिए कार्य किया जा रहा है। यह गौधाम मध्यप्रदेश का प्रथम गौधाम होगा और मेरा सौभाग्य होगा कि मैं वहां गौमाता की कीर्ति यश का बखान कर सकूं। उन्होंने कहा कि गाय के दर्शन से राधा-कृष्ण का एक साथ दर्शन होता है। गाय संपूर्ण ब्रह्मांड की शक्ति का पोषण करती हैं। महाराज श्री ने कहा कि देवी भागवत में कार्तिक शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को सुरभि माता के प्राकट की कथा है। आज के परिवेश में मनुष्यता खो गई है। मनुष्य के क्षमा, दया, करूणा एवं सेवा आदि के पवित्र गुण विलुप्त हो गये हैं। आदर पूर्वक गौमाता के संरक्षण, संवर्धन व सेवा से ही मानवता आयेगी।

महाराज श्री ने कहा कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में 9 हजार से अधिक गौवंश संरक्षित किये गये हैं जो सुखपूर्वक निवास करते हैं और पास के जंगल में विचरण करते हैं। उनकी गौशाला में पूरे मनोभाव से सेवा की जाती है। गौवंश वन्य विहार में प्राकृतिक खेती का कार्य किसानों के लिए प्रेरणादायी होगा। शुद्ध, सात्विक, कीटाणु रहित आहार प्राकृतिक खेती से ही प्राप्त हो सकता है। यह क्षेत्र गौसेवा से अपनी दिव्यता को प्रकट कर रहा है। उन्होंने गौसेवा में लगे सेवकों को इस पुनीत कार्य के लिए साधुवाद दिया। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही और वातावरण गौमय भक्ति, सेवा एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत रहा।

20 हजार से अधिक किसानों ने समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये कराया पंजीयन : मंत्री श्री राजपूत

इन्दौर. रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये अब तक 20 हजार 98 किसानों ने पंजीयन करा लिया है।

किसान 7 मार्च तक पंजीयन करा सकते हैं। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने किसानों से अपील की है कि निर्धारित समय में पंजीयन अवश्य करा लें। उन्होंने बताया है कि किसान पंजीयन की व्यवस्था को सहज और सुगम बनाया गया है। कुल 3186 पंजीयन केन्द्र बनाये गए हैं। केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2026-27 के लिये गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2585 रूपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया है, जो गत वर्ष से 160 रूपये अधिक है।

मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि अभी तक इंदौर संभाग में 4084, उज्जैन में 9524, ग्वालियर में 476, चम्बल में 123, जबलपुर में 788, नर्मदापुरम में 900, भोपाल में 3602, रीवा में 68, शहडोल में 83 और सागर में 450 किसानों ने पंजीयन कराया है।

पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था

पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर, तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर और सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र पर की गई है।

पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था

पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था एम.पी. ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर कियोस्क, लोक सेवा केन्द्र और निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर की गई है।

किसानों को करें एसएमएस

खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि विगत रबी एवं खरीफ के पंजीयन में जिन किसानों के मोबाइल नंबर उपलब्ध हैं, उन्हें एसएमएस से सूचित करने के निर्देश दिये गये हैं। गांव में डोंडी पिटवाकर ग्राम पंचायतों के सूचना पटल पर पंजीयन सूचना प्रदर्शित कराने तथा समिति/ मंडी स्तर पर बैनर लगवाने के निर्देश भी दिये गये हैं।

ऋणधारकों को राहत का अवसर

मध्यप्रदेश वित्त निगम के समाधान शिविर 17 एवं 18 फरवरी को

इन्दौर. मध्यप्रदेश वित्त निगम द्वारा ऋण खातों के निराकरण एवं वसूली संबंधी मामलों के समाधान हेतु 17 एवं 18 फरवरी 2026 को विशेष समाधान शिविर इंदौर सहित भोपाल और जबलपुर में आयोजित किए गए हैं।

यह दो दिवसीय शिविर दोपहर 12 बजे से शाम 5:30 बजे तक आयोजित होंगे। निगम द्वारा समस्त ऋणधारकों से अपील की गई है कि वे इन शिविरों का अधिकतम लाभ उठाते हुए अपने प्रकरणों का निराकरण कराए। शिविर में समस्त आरआरसी प्रकरणों का एक मुश्त निपटारा किया जाएगा।

प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश वित्त निगम श्रीमती वंदना वैद्य ने बताया कि उक्त समाधान शिविर इंदौर में गीता भवन चौराहा स्थित प्रधान कार्यालय फाइनेंस हाउस ए.बी. रोड में आयोजित होगा। साथ ही ऐसे शिविर भोपाल में प्लेटिनम प्लाजा टी.टी. नगर B-6 द्वितीय तल स्थित जोनल कार्यालय तथा जबलपुर में पचपेड़ी साउथ सिविल लाइन्स स्थित जोनल कार्यालय में भी आयोजित किए गए हैं। निगम से ऋण प्राप्त करने वाले ऐसे सभी ऋणधारकों जो किसी कारणवश निर्धारित समय पर ऋण चुकाने में असफल रहे हैं , वे उक्त शिविर में उपस्थित होकर अपने प्रकरण का समाधान प्राप्त कर सकते हैं। शिविर में ऋण चुकाने से संबंधित विभिन्न विकल्पों की जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। साथ ही इच्छुक ऋणधारकों को आवश्यक राशि जमा कर अपने ऋण खाते का निराकरण भी कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने सरोजिनी नायडू की जयंती पर किया नमन

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वतंत्रता सेनानी, भारत कोकिला सरोजिनी नायडू की जयंती पर उनका स्मरण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरोजिनी नायडू ने देश की सेवा, साहित्य सृजन और महिला सशक्तिकरण के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

"समग्र भारतीय पत्रकारिता" का लोकार्पण: भारतीय पत्रकारिता के इतिहास का विस्तृत दस्तावेज प्रस्तुत

भोपाल. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र नई दिल्ली के कलानिधि विभाग द्वारा वरिष्ठ पत्रकार-लेखक विजयदत्त श्रीधर की महत्त्वपूर्ण पुस्तक 'समग्र भारतीय पत्रकारिता' का लोकार्पण एवं परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता आईजीएनसीए अध्यक्ष रामबहादुर राय ने की। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार तथा माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति अच्युतानंद मिश्र रहे।

कार्यक्रम में वक्ताओं के रूप में वरिष्ठ पत्रकार अनंत विजय, काशी नागरी प्रचारिणी सभा के प्रधानमंत्री व्योमेश शुक्ला तथा अन्य विद्वानों ने विचार रखे। स्वागत भाषण कलानिधि विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) रमेश चंद्र गौड़ ने दिया। संचालन महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्रो. कृपाशंकर चौबे ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ माधवराव सप्रे स्मृति समाचारपत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान पर आधारित डॉक्यूमेंट्री से हुआ।

प्रभात खबर के प्रधान संपादक अंकित शुक्ला ने राज्यसभा उप सभापति हरिवंश का संदेश पढ़ा, जिसमें उन्होंने भारतीय और पश्चिमी पत्रकारिता के अंतर पर प्रकाश डाला। अध्यक्षीय वक्तव्य में रामबहादुर राय ने पुस्तक के दूसरे खंड (1881-1920) को विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इसमें बाल गंगाधर तिलक से महात्मा गांधी युग के संक्रमण की पत्रकारिता का विस्तृत चित्रण है। उन्होंने श्री अरबिंदो का उद्धरण देते हुए कहा कि पत्रकारिता का मूल उद्देश्य समय की सबसे बड़ी चुनौती पहचानना और समाधान के लिए सक्रिय होना है।

मध्यप्रदेश पुलिस की त्वरित कार्रवाई-पांच नाबालिगों को किया सकुशल दस्तयाब

भोपाल. मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में सतत रूप से की जा रही जनसुरक्षा एवं बाल संरक्षण से जुड़ी कार्यवाहियों के क्रम में नरसिंहपुर एवं शिवपुरी जिलों में नाबालिग बच्चों की सकुशल दस्तयाबी की दो प्रमुख कार्यवाहियाँ विशेष रूप से उल्लेखनीय रहीं, जिन्होंने पुलिस की तत्परता, संवेदनशीलता एवं पेशेवर दक्षता को सशक्त रूप से रेखांकित किया है।

नरसिंहपुरः चंद घंटों में दो नाबालिग बालिकाओं की सकुशल दस्तयाबी

दिनांक 10 फरवरी को थाना गोटेगांव, जिला नरसिंहपुर में 9 वर्षीय एवं 8 वर्षीय बालिका के गुम होने की सूचना प्राप्त होते ही पुलिस ने तत्काल सघन तलाश प्रारंभ की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश के नेतृत्व में चार विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया।

टीमों द्वारा बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों एवं सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से व्यापक खोजबीन की गई। निरंतर प्रयासों के फलस्वरूप दोनों बालिकाएं ग्राम कमती के सेमरावारी खेत स्थित कोहा के पेड़ के पास झाड़ियों में सुरक्षित अवस्था में मिलीं। पूछताछ में ज्ञात हुआ कि कुरकुरे खाने के बाद परिजनों की डांट के भय से वे स्वयं छिप गई थीं। दोनों बालिकाओं को सकुशल परिजनों के सुपुर्द किया गया।

शिवपुरीः हॉस्टल से लापता तीन नाबालिग बालकों को गुना से सुरक्षित दस्तयाबकिया

दिनांक 12 फरवरी को थाना कोतवाली, जिला शिवपुरी में हॉस्टल से तीन नाबालिग बालकों (उम्र 14, 15 एवं 17 वर्ष) के लापता होने की रिपोर्ट पर तत्काल अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। पुलिस अधीक्षक श्री अमन सिंह राठौड़ के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई।

टीम द्वारा शिवपुरी एवं गुना में बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन एवं आसपास के क्षेत्रों में 80 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की गहन जांच करते हुए सघन तलाश की गई, जिसके परिणामस्वरूप तीनों बालकों को गुना रेलवे स्टेशन से सकुशल दस्तयाबकर परिजनों के सुपुर्द किया गया।

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, महिला एवं बाल सुरक्षा तथा जनसहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में प्रतिदिन अनेक प्रभावी कार्रवाइयाँ की जा रही हैं। इन प्रयासों के माध्यम से पुलिस न केवल सुरक्षा सुनिश्चित कर रही है, बल्कि समाज में विश्वास, सहयोग और सकारात्मक संवाद की मजबूत नींव भी रख रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव पंधाना से करेंगे लाड़ली बहनों के खातों में राशि अंतरित

विकास कार्यों का करेंगे भूमि-पूजन एवं लोकार्पण

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को खंडवा जिले के पंधाना से 14 फरवरी शनिवार को प्रदेश की 1.25 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में 1836 करोड़ रुपये अंतरित करेंगे। योजना में अब तक लाड़ली बहनों को 52,304 करोड़ रूपये की राशि अंतरित की गई है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव 255 करोड़ रूपए लागत के विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं 354 करोड़ रूपए 11 विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। विशिष्ठ रूप से मुख्यमंत्री डॉ. यादव 252 करोड़ रूपए लागत से निर्मित होने वाली खण्डवा नगर निगम की सीवरेज परियोजना, 2.90 करोड़ रूपए लागत से निर्मित होने वाले पंधाना बस स्टैण्ड, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स एवं रैन बसेरा के निर्माण कार्य का भूमि-पूजन करेंगे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)